22. अनुभव-लेखन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ न कुछ घटित होता रहता है। इन घटित घटनाओं के आधार पर लिखा गया लेख अनुभव-लेखन कहलाता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ पर दी गई अनुभव-लेखन की परिभाषा समझाएँ तथा याद करवाएँ।
- ❖ बच्चों को अनुभव-लेखन के समय बरतने वाली सावधानियों के बारे में समझाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए गए उदाहरण पढ़वाएँ। इसके अलावा बच्चों से उनके अनुभव जानें।
- ❖ प्रत्येक बच्चे को अपनी कॉपी में किसी घटना से जुड़ा अपना अनुभव लिखने के लिए प्रेरित करें।
- ❖ यह सुनिश्चित करें कि बच्चे विषय को भली-भाँति समझ गए हैं।
- ❖ दिया गया अभ्यास करने में बच्चों की सहायता करें।

बैनर

आज के आधुनिक युग में बैनर का विशेष महत्त्व है। किसी विशेष विषय से जनमानस को जागरूक करने के लिए इनका प्रयोग किया जाता है। किसी राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक या आर्थिक मुद्दों को जनता के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए बैनर का उपयोग करना आम बात हो गई है। ये कपड़े या कागज़ के बने होते हैं।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को बैनर के बारे में जानकारी दें।
- ❖ उन्हें पाठ पृष्ठ पर दी गई बैनर की विशेषताएँ पढ़वाएँ।
- ❖ बच्चों को बताएँ कि बैनर कितने प्रकार के होते हैं तथा ये किस-किस काम के लिए प्रयुक्त होते हैं।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए गए बैनर के उदाहरण पढ़वाएँ। बच्चों को अन्य उदाहरण भी दे सकते हैं।
- ❖ दिया गया अभ्यास करने में बच्चों की सहायता करें।